SJU Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 15 जून 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 258

सेना को मिला स्वदेशी आत्मघाती ड्रोन, दुश्मन के घर में घुसकर होगी एयरस्ट्राइक

नईदिल्ली | आरएनएस

भारतीय सेना की ताकत में बड़ा इजाफा हुआ है. उसे स्वदेशी ड्रोन नागस्त्र-1 की पहली खेप मिल गई है, जिसमें सेना को 120 ड्रोन सौंपे गए हैं. इस खबर से ही पाकिस्तान और चीन की नींद उड़ गई है. नागस्त्र-1 लोइटरिंग म्यूनिशन ड्रोन है यानी यह एक प्रकार युद्ध में इस्तेमाल किए जाने वाला मानव रहित वाहन है. इसे विस्फोटक ले जाने और टारगेटेड मिसाइल की तरह दुश्मनों पर हमला करने के लिए डिजाइन किया गया है. यही वजह है कि इसे आत्मघाती ड्रोन्स (सुसाइड ड्रॉन्स) कहा गया है. सेना को नागास्त्र ड्रोन को मिलने से अब उसके लिए दुश्मन के घर में घुसकर एयरस्ट्राइक करना आसान हो जाएगा.

नागास्त्र-1 ड्रोन को सोलर इंडस्ट्रीज इकोनॉमिक्स एक्सप्लोसिव लिमिटेड ने बनाया है. सेना ने इस कंपनी को कुल 450 नागास्त्र ड्रोन बनाने का ऑर्डर दिया है. हालांकि अभी 120 ड्रोन ही ईईएल ने सेना को सौंपे हैं.

नागास्त्र-1 ड्रोन की कई ऐसी खासियतें हैं, जिनके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे. सबसे बड़ी खूबी तो यही है कि ये ड्रोन उड़ते समय बहुत ही कम आवाज करते हैं, जिससे चुपके से दुश्मन के घर में हमला करवाया जा सकता है. नागास्त्र-1 कामिकेज मोड में 2 मीटर की सटीकता के साथ हमले के साथ किसी भी खतरे को बेअसर कर सकता है. इसमें जीपीएस सिस्टम लगा हुआ है. इस ड्रोन का कुल वजन 30 किलोग्राम है, जो 30 मिनट तक उड़ान भर सकता है. इसकी ऑपरेशनल रेंज 15 किलोमीटर जबकि ऑटोनॉमस मोड रेंज 30 किलोमीटर है.

इन खूबियों के अलावा नागास्त्र-1 एक इलेक्ट्रिक यूएवी है. इसमें मैन-पोर्टेबल फिक्स्ड-विंग हैं, जिनका वजन 9 किलोग्राम है. इसका इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम उड़ान के दौरान कम आवाज करता है. यही वजह है कि 200 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर दुश्मन इसे नहीं पहचान पाता. मतलब ये हुआ कि भविष्य में एयर स्ट्राइक के लिए फाइटर जेट्स की जरूरत नहीं होगी. इसमें डे-नाइट कैमरे भी लगे हुए हैं. इसे टोही हथियार के रूप में भी काम में लिया जा सकता है.

यह अपने साथ एक किलोग्राम विस्फोटक ले जा सकता है. इसके विस्फोट से 20 मीटर का इलाका खत्म हो सकता है. इसमें रीयल टाइम वीडियो बनता है. यह ड्रोन उड़ान भरते हुए सीधे दुश्मन के टैंक, बंकर, बख्तरबंद वाहनों, हथियार डिपो या सैन्य समूहों पर घातक हमला कर सकता है. इस ड्रोन को ट्राईपॉड या हाथों से उड़ाया जा सकता है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर नागास्त्र के परीक्षण से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आप देख सकते हैं कि कैसे ये ड्रोन दुश्मन के इलाके में हमला कर सकेगा.

महत्वपूर्ण एवं खास

श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली पलटी; 5 की मौत, 15 से ज्यादा घायल

दतिया (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के दतिया जिले में शुक्रवार की सुबह रतनगढ़ माता मंदिर पर जवारे चढ़ाने जा रहे श्रद्धालुओं की ट्रैक्टर ट्रॉली पलट गई। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गये। गंभीर रूप से घायलों को ग्वालियर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, दीसवार गांव के श्रद्धालु कई ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार होकर जवारे चढ़ाने के लिए रतनगढ़ माता मंदिर जा रहे थे। इनमें से एक ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित हो गई और पुलिया से नीचे जा गिरी। उसमें लगभग 30 लोग सवार थे। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में तीन लड़कियां और दो महिलाएं हैं। इनमें एक महिला और उसकी दो बेटियां शामिल हैं। इस हादसे में घायल हुए कुछ लोगों की हालत गंभीर है जिन्हें ग्वालियर रेफर किया गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि गांव के लगभग दो सौ श्रद्धालु अलग-अलग ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार होकर रतनगढ़ माता के मंदिर जा रहे थे।

ट्रैक्टर को ओवरटेक करते समय ट्रक और लॉरी में टक्कर, 6 की मौत

अमरावती (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में शुक्रवार को ओवरटेक के कारण ट्रक और लॉरी में टक्कर हो गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हुई है, जबकि 3 लोग घायल हैं।हादसा सुबह 5 बजे सीतानपल्ली में राष्ट्रीय राजमार्ग-216 पर हुआ। मृतकों में दोनों वाहनों के चालकों और 4 अन्य शामिल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।पुलिस ने बताया कि हादसा ओवरटेक करने के कारण हुआ। हादसे के बाद दोनों वाहनों का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने बताया कि लकड़ी के ल` ले जा रहे ट्रैक्टर को एक ट्रक ने ओवरटेक करने की कोशिश की, तभी वह लॉरी से टकरा गया।हादसे के दौरान ट्रक में 10 लोग सवार थे, जबकि लॉरी में एक चालक और सहायक थे। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान की जा रही है।हादसे के बाद का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त दिखाई दे रहे हैं। पुलिस आगे की कार्यवाही कर रही है।

डेरा सच्चा सौदा के राम रहीम ने फिर मांगी 21 दिन की फरलो, कोर्ट ने फटकारा

चंडीगढ़ (आरएनएस)। डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम ने एक बार फिर पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट से 21 दिन की फरलो के लिए आवेदन किया है। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताई है। रिपोर्ट के मुताबिक, राम रहीम ने अपनी याचिका में बताया है कि उसे इस महीने डेरा सच्चा सौदा के कार्यक्रम में हिस्सा लेना है।इस पर कोर्ट ने उसे फटकार लगाई और याचिका स्थगित करने को कहा है। मामले पर सुनवाई अब जुलाई में होगी। राम रहीम के आवेदन पर कोर्ट ने कहा कि कार्यक्रम तय करने के बाद फरलो के लिए आवेदन करने का कोई मतलब नहीं है, यह कोर्ट में एक तरह का दबाव बनाना हुआ।बता दें, लोकसभा चुनाव से पहले भी डेरा प्रमुख ने फरलो मांगा था और 14 दिन की राहत मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने अनुमति देने से इंकार कर दिया था।इससे पहले भी कोर्ट राम रहीम को बार-बार पैरोल और फरलो देने पर आपत्ति जता चुका है। राम रहीम को 2017 में सजा होने के बाद 9 बार पैरोल और फरलो मिल चुकी है। अक्टूबर 2020 में 1 दिन, 21 मई 2021 को 1 दिन, 7 फरवरी 2022 को 21 दिन, जून 2022 को 1 महीने, अक्टूबर 2022 को 40 दिन की पैरोल मिली थी।उसे पिछले साल नवंबर में 29 दिनों की फरलो दी गई थी। 2024 में 19 जनवरी को 50 दिन की पैरोल दी गई थी।

गर्मी झेल रहे उत्तर भारत के कुछ राज्यों में 18 से बारिश, दिल्ली में थोड़ा इंतजार

नईदिल्ली (आरएनएस)। मानसून का इंतजार कर रहे उत्तर भारत के राज्यों के लिए राहत की खबर है। यहां 18 जून के बाद मानसून पूर्व बारिश शुरू हो सकती है। पूरी तरह मानसून 22 जून के बाद पहुंच जाएगा।भारतीय मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में 20 जून से बारिश हो सकती है। राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश और पहाड़ी क्षेत्रों में भी 22 जून से बारिश की संभावना है। दिल्ली और आसपास के इलाकों में गर्मी ने लोगों को परेशान कर रखा है। गुरुवार को यहां अधिकतम तापमान सामान्य से 4 डिग्री अधिक 44.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और न्यूनतम तापमान 33.3 डिग्री था।

जमशेदपुर में दो बच्चों सहित तीन लोगों की ट्रेन से कटकर मौत

जमशेदपुर | आरएनएस

जमशेदपुर में गोविंदपुर रेलवे हॉल्ट के पास शुक्रवार को दो बच्चों और एक पुरुष की डेड बॉडी मिलने से सनसनी फैल गई। इन तीनों की मौत ट्रेन से कटकर हुई है। इनकी पहचान नहीं हो पाई है।

रेलवे पुलिस और गोविंदपुर थाने की पुलिस ने लाशों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल भेजा है।

जिले के सभी थानों को मृतकों की तस्वीरें भेजी गई हैं ताकि उनकी शिनाख्त हो सके।

बताया गया कि गोविंदपुर हॉल्ट में पोल संख्या 242/सी के पास तीनों की लाशें पड़ी होने की सूचना रेलवे के ही एक कर्मचारी ने रेलवे पुलिस को दी। इसकी जानकारी होने पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जुट आए, लेकिन कोई मृतकों की पहचान नहीं कर पाया।

आशंका व्यक्त की जा रही है कि यह आत्महत्या का मामला हो सकता है।

कुछ प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि इनकी मौत टाटा से हावड़ा की तरफ जा रही गुड्स ट्रेन से कटने से हुई है।

गोविंदपुर के थाना प्रभारी प्रशांत कुमार ने बताया कि शवों को देखने से यह अनुमान लगाया जा रहा है कि मृतक पुरुष की उम्र 30 वर्ष के आसपास है, जबकि मृतकों में एक बच्चे की उम्र पांच और दूसरे की उम्र तीन वर्ष के आसपास है।

कुवैत अग्निकांड में मरने वाले 45 भारतीयों के शव लेकर कोच्चि पहुंचा एयरफोर्स का विमान : मृतकों में इंजीनियर-ड्राइवर शामिल

नईदिल्ली | आरएनएस

कुवैत के मंगाफ में एक इमारत में लगी भीषण आग में 45 भारतीयों समेत 49 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में इंजीनियर, अकउंटेंट और ड्राइवर समेत कई ऐसे लोग हैं, जो सालों से कुवैत में काम कर रहे थे।मृतकों में सबसे ज्यादा 23 केरल के, 7 तमिलनाडु के, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के 2-2 और बिहार, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के एक-एक लोग शामिल हैं।

कुवैत से मृतकों के शवों को लेकर भारतीय वायुसेना का विशेष विमान सी-130जे भारत पहुंच चुका है। इसमें विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह भी सवार हैं।वे घायलों का हालचाल जानने और शवों की शीघ्र वापसी के लिए बीते दिन ही कुवैत गए थे।ये विमान केरल के कोच्चि में सुबह करीब 11 बजे उतरा, क्योंकि मृतकों में ज्यादातर केरल के हैं। इसके बाद बाकी शवों को लेकर विमान दिल्ली जाएगा।

कुवैत ने मृतकों की सूची जारी की है। इसमें 45 भारतीयों के नाम हैं।23 साल के आकाश एस नायर पंडालम से थे और वह पिछले 6 सालों से कुवैत में रहते थे।एक अन्य मृतक श्रीहरि प्रदीप चंगनास्सेरी के रहने वाले मैकेनिकल इंजीनियर थे। उनके पिता भी कुवैत में काम करते हैं।लुकोस नामक एक अन्य शख्स पिछले 18 सालों से कुवैत में काम कर रहे थे। उनके 2 बच्चे हैं।

अमरुद्दीन शमीर: वह कोल्लम पोयापल्ली से थे और कुवैत में ड्राइवर थे।स्टेफिन अब्राहम सबू: पेशे से इंजीनियर थे और कोट्टायम के रहने वाले थे।केआर रंजीत: कुवैत में 10 सालों से रह रहे थे और स्टोर कीपर थे।केलू पोनमलेरी: प्रोडक्शन इंजीनियर थे। अपने पीछे 2 बेटे छोड़ गए हैं।पीवी मुरलीधरण: कुवैत में पिछले 30 सालों से रह रहे थे। एक कंपनी में सीनियर सुपरवाइजर थे।साजन जॉर्ज: केमिकल इंजीनियर थे।

हादसे की शुरुआती जांच में कई बड़ी खामियों निकलकर आई हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, 7 मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर 2 दर्जन गैस सिलेंडर, कागज, कार्डबोर्ड और प्लास्टिक जैसा सामान रखा हुआ था, जिससे आग तेजी से फैल गई।छत पर भी ताला लगा हुआ था, जिससे लोगों को भागने की कोई जगह नहीं मिली। इमारत में क्षमता से कई गुना ज्यादा लोग रह रहे थे।

अभी तक आधिकारिक तौर पर आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है, लेकिन कहा जा रहा है कि ग्राउंड फ्लोर पर शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी और धीरे-धीरे पूरी इमारत में फैल गई।इस इमारत को एनबीटीसी समूह ने किराए पर लिया था, जहां कंपनी से जुड़े करीब 196 लोग रहते थे। मृतकों में भारतीयों के अलावा पाकिस्तान, नेपाल और मिस्र के भी कुछ लोग हैं।

सीबीआई जांच की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को जारी किया नोटिस, 8 जुलाई को सुनवाई

नीट पेपर लीक मामला

नई दिल्ली | आरएनएस

नीट परीक्षा को लेकर छात्रों के अंदर बढ़ते रोष के बीच इस मामले की सुनवाई आज भी सुप्रीम कोर्ट में हुई। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई जांच की मांग वाली अर्जी पर किसी भी तरह के आदेश जारी करने से फ़िलहाल इंकार कर दिया है। शीर्ष अदालत ने एनटीए को इस संबंध में नोटिस जारी कर दो हफ्ते में जवाब देने को कहा है। अब नीट परीक्षा से जुड़ी सभी याचिकाओं पर 8 जुलाई को सुनवाई होगी। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने नीट काउंसिलिंग पर रोक लगाने से भी इंकार कर दिया है।

जस्टिस विक्रमनाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने इस मामले पर सुनवाई के दौरान सीबीआई जांच की मांग पर किसी भी तरह का आदेश फिलहाल नहीं दिया है। अब इस मामले की सुनवाई 8 जुलाई को होगी। सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका में बड़े स्तर पर पेपर लीक की घटनाओं का हवाला देते हुए मनमाफिक एग्जाम सेन्टर चुनने के लिए अपनाए जा रहे हथकंडो का भी ज़िक्र है। मसलन ओडिशा, झारखंड और गुजरात जैसे राज्यों के छात्रों ने नीट का एग्जाम देने के लिए गुजरात के गोधरा में एक खास सेन्टर को चुना। इन छात्रों ने नीट क्लियर करने और गोधरा में एक ख़ास सेंटर जय जल राम स्कूल में अपना सेन्टर चुनने के लिए 10 लाख की रिश्वत दी।

सुप्रीम कोर्ट ने आज सुनवाई के दौरान यह स्पष्ट किया कि ग्रेस मार्क्स वाले 1563 छात्रों की दोबारा परीक्षा लेने का आदेश अदालत ने नहीं दिया है। सुनवाई के दौरान एनटीए ने इसे रद्द करने की बात कही और दोबारा परीक्षा कराने के आदेश दिए। याचिकाकर्ता ने सीबीआई जांच की मांग की जिसपर सुप्रीम कोर्ट ने कहा आज ही सुप्रीम कोर्ट जांच का आदेश दे सकते है क्या?नही न.. । अदालत ने सीबीआई जांच पर फिलहाल कुछ भी कहने से इनकार कर दिया है। वहीं एक याचिकाकर्ता ने पेपर लीक मामले में दर्ज एफआइआर का मुद्दा उठाया। जिसपर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 8 जुलाई को इस मामले की सुनवाई होगी।

बता दें कि नीट परीक्षा पांच मई को 4,750 केंद्रों पर हुई थी और इसमें लगभग 24 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। इसके रिजल्ट 14 जून को घोषित किए जाने की उम्मीद थी, लेकिन आंसर शीट का मूल्यांकन पहले पूरा हो जाने के कारण 4 जून को नतीजे घोषित कर दिए गए। बिहार जैसे राज्यों में नीट पेपर लीक होने और इस प्रतिष्ठित परीक्षा में कई अन्य अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। आरोपों के कारण कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए और सात हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में मामले दायर किए गए। नीट-यूजी देश भर के सरकारी और निजी संस्थानों में मेडिकल शिक्षा से जुड़े संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एनटीए द्वारा आयोजित की जाती है।

उधर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि नीट परीक्षा मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत परीक्षार्थियों के हितों को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध है। मैं परीक्षार्थियों को आश्वस्त करना चाहता हूँ कि किसी भी बच्चे के कैरियर के साथ खिलवाड़ नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इस मामले से जुड़े तथ्य माननीय सर्वोच्च न्यायालय के संज्ञान में है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार जो भी आवश्यक कदम उठाने होंगे, सरकार उसे पूरा करेगी। नीट की काउन्सलिंग प्रक्रिया शुरू होने जा रही है और अब इस दिशा में भ्रमित हुए बिना आगे बढऩे की आवश्यकता है।

संसद का मानसून सत्र 22 जुलाई से 9 अगस्त तक चलेगा, पहले दिन पेश होगा बजट

नईदिल्ली | आरएनएस

संसद के मानसून सत्र की संभावित तारीख सामने आ गई है। लोकसभा और राज्यसभा में सत्र 22 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त तक चलेगा।खबर है कि मानसून सत्र के पहले दिन ही नवनिर्वाचित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अपना पूर्ण बजट पेश करेगी।वित्त मंत्रालय 17 जून तक विभिन्न मंत्रालयों और हितधारकों के साथ अपनी पूर्व-परामर्श बजट बैठकें शुरू कर देगा। इस दौरान राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा भी होगी।

मानसून सत्र से पहले 18वीं लोकसभा का संसद सत्र 24 जून को शुरू होगा, जो 3 जुलाई तक चलेगा।इस 8 दिवसीय विशेष सत्र के दौरान लोकसभा चुनाव में जीतकर आए नवनिर्वाचित सांसदों को 24 और 25 जून को प्रोटेम स्पीकर शपथ दिलाएंगे।शपथ ग्रहण के बाद 26 को लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। अध्यक्ष पद को लेकर एनडीए में शामिल तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और भाजपा में अभी सहमति नहीं दिख रही है। लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले 1 फरवरी को भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की ओर से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अंतरिम बजट 2024-25 पेश किया था।इस दौरान पिछले 10 वर्षों के दौरान सरकार की आर्थिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया और भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बताया गया था।

सिक्किम में भारी बारिश-भूस्खलन से 6 की मौत, 1500 पर्यटक फंसे

सैटेलाइट से हो रही झीलों की निगरानी

गंगटोक | आरएनएस

सिक्किम में लगातार बारिश के चलते हालात खराब हो चुके हैं। यहां छह लोगों की मौत हो चुकी है और 1500 के करीब पर्यटक फंसे हुए हैं। राज्य के कई इलाकों में अभी भी बारिश जारी है। इस वजह से खतरा बना हुआ है। सिक्किम में कई पहाड़ी झील हैं, जिनमें पानी ज्यादा होने पर भूस्खलन होने लगता है और इसके बाद एक साथ बड़ी मात्रा में पानी नीचे की ओर गिरता है। इससे काफी तबाही होती है। पिछले साल ऐसी ही घटना में एक बांध बह गया था, जिसके जरिए 1200 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता वाला बिजली संयंत्र बनना था।

इस बार भूस्खलन से होने वाली दुर्घटना से बचने के लिए सरकार पहले से चौकन्नी है और कई झीलों पर सैटेलाइट के जरिए नजर रखी जा रही है। भारी बारिश के कारण उत्तरी सिक्किम में संचार लाइनें खराब हो गई हैं और राज्य का यह हिस्सा बाकी हिस्सों से कट गया है। अक्टूबर 2023 में उत्तरी सिक्किम में 5245 मीटर की ऊंचारी पर स्थिति दक्षिण ल्होनक झील में हिमनद विस्फोट हुआ था। यह मलबे के साथ नीचे आकर तीस्ता बांध से टकराया और बांध फट गया। इससे खासी तबाही हुई थी। कई पुल बह गए थे, 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और कई लापता हो गए थे।

अधिकारियों ने बताया कि संगकालांग में एक नवनिर्मित पुल ढह गया, जिसके कारण मंगन का द्जोंगू व चुंगथांग से संपर्क टूट गया। भूस्खलन के कारण सडक़ें अवरुद्ध हो गईं और कई मकान जलमग्न व क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि बिजली के खंभे बह गए। गुरुडोंगमार झील और युनथांग घाटी जैसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों के लिए जाने जाने वाले मंगन जिले के जोंगू, चुंगथांग, लाचेन और लाचुंग जैसे कस्बे का देश के बाकी हिस्सों से संपर्क टूट गया है। मंगन के जिला मजिस्ट्रेट हेम कुमार छेत्री ने बताया, पाक्षेप और अम्बीथांग गांवों में तीन-तीन लोगों की मौत हो गई। गेयथांग और नामपाथांग में कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए। छेत्री ने बताया कि विस्थापित लोगों के लिए पाक्षेप में एक राहत शिविर स्थापित किया गया है।

भूस्खलन के कारण ब्रिंगबोंग पुलिस चौकी को निकटवर्ती स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया, जबकि संकलान में एक पुल की नींव क्षतिग्रस्त हो गई। अधिकारियों ने बताया कि लगातार हो रही बारिश और भूस्खलन के चलते उत्तरी सिक्किम में मोबाइल नेटवर्क प्रभावित है। वहीं, जिला प्रशासन ने मंगन में राशन के साथ राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की एक टीम भेजने का अनुरोध किया। सडक़ से मलबा हटाने के लिए मंगशिला डिग्री कॉलेज के पास एक 'अर्थमूवर' मशीन को लगाया गया है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता पेमा खांडू के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए अरूणाचल प्रदेश गए सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने तबाही पर त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए उत्तर जिला प्रशासन, पुलिस और अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ संवाद किया। एक बयान में मुख्यमंत्री तमांग ने कहा, पीड़ितों और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने के प्रयास जारी हैं। पुनर्वास सहायता, अस्थायी बसावट के बंदोबस्त और बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कार्य किया जा रहा है। राज्य सरकार इस आपदा के पीड़ितों के साथ दृढ़ता से खड़ी है तथा शोक संतप्त परिवारों और भूस्खलन से प्रभावित एवं विस्थापित सभी लोगों को अधिकतम सहायता देने का वादा करती है।